



Reg. No. :- JH-11-0004329

# अपेम लाइव न्यूज़

(Art, Agriculture, Press & Education, Health Management)

(अपेम ट्रस्ट के अंतर्गत बरही से संचालित एवं प्रसारित, Reg. No. :- 2020/BAR/80/BK/01)



दैनिक संध्या डिजीटल अखबार

सच का साथी

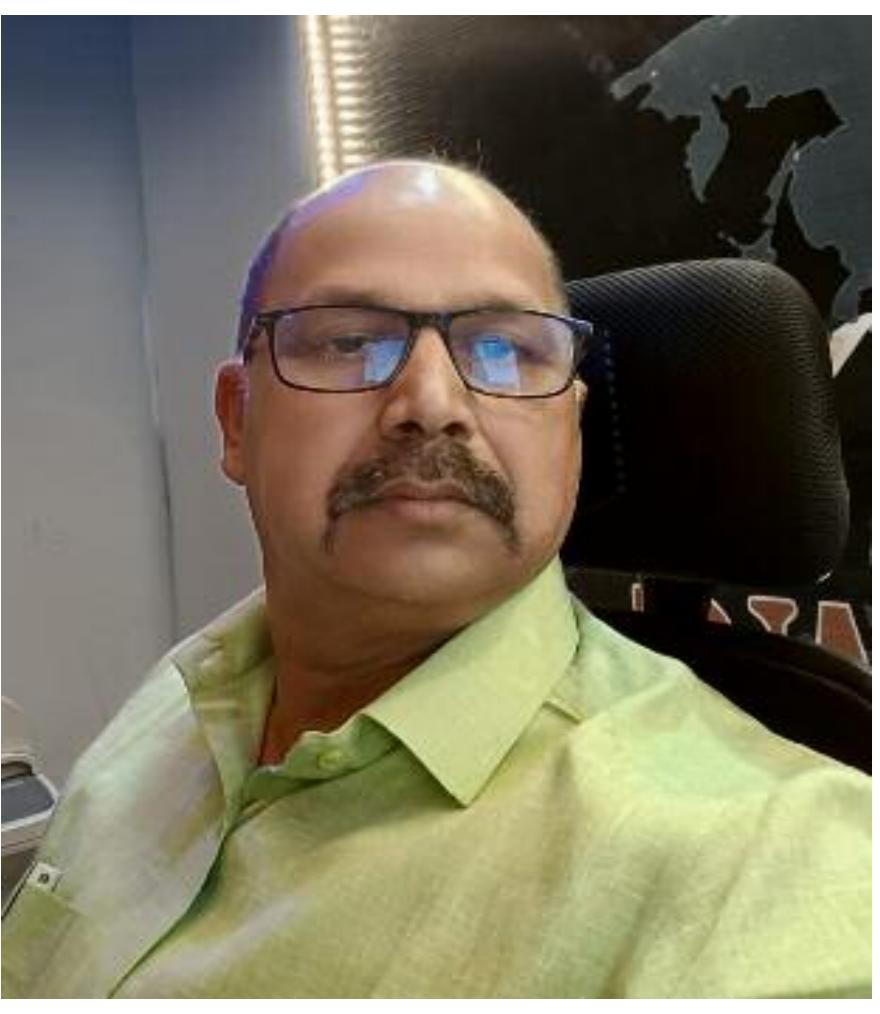
दिनांक 07-04-2022

अंक 190

Website- [www.apemlive.com](http://www.apemlive.com) संपर्क सूचा 9550809864, 9934337941, 8969504178 Email Id- [liveapem@gmail.com](mailto:liveapem@gmail.com)

## संपादकीय

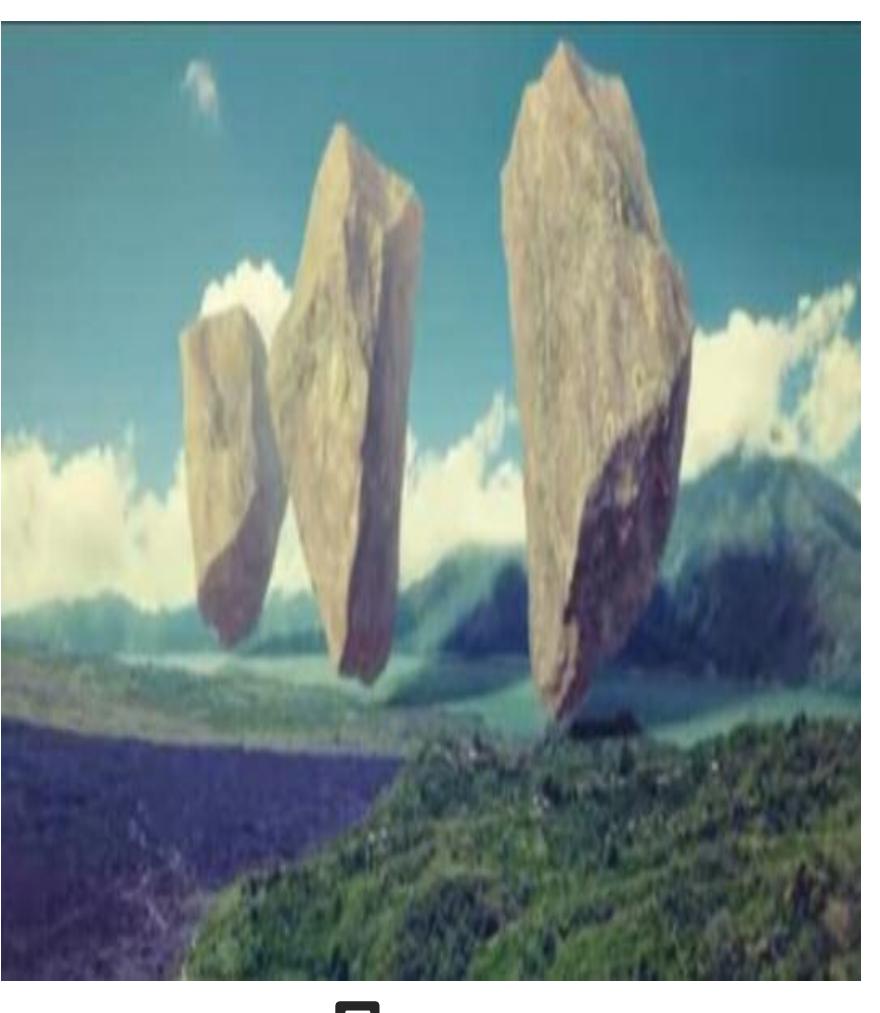
ज्यजसम क्या ब्रह्माण्ड के रहस्य --  
स्वर,ऊर्जा,स्पंदन और फ्रीक्वेंसी में निहित हैं?



डॉ अनिल कुमार



सउदी अरब



किबत

दरअसल पूरा ब्रह्माण्ड की सृष्टि ही स्पंदन (vibration) से ही हुई है इस्ट्रिंग थ्योरी भी यही कहती है कि सृष्टि स्पंदन से ही अस्तित्व में आई है। 3 अरब 80 करोड़ साल पहले जब कुछ भी नहीं था तो सबसे पहले शबाद यानी स्वर उत्पन्न हुआ और स्वर के मूल में स्पंदन है। क्वांटम थ्योरी भी यह कहती है कि सृष्टि के किसी भी पदा था का सूक्ष्मतं इकाई इलेक्ट्रॉन नहीं बल्कि व्याकरण और लेप्टोन हैं जो हमेशा स्पंदन में रहते हैं। आज जो भी गह, तारे, गैलेक्सी और सारे celesteal objects ek= स्पंदन हैं और कुछ नहीं। जब अस्तित्व ही स्पंदन है और स्पंदन के मूल में हैं तो प्रकृति की जो भी घटनाएँ घटित हो रही हैं उसके मूल में भी स्वर, स्पंदन और फ्रीक्वेंसी ही हैं। हर चीज की एक रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी होती है और अगर उस रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी को किसी यंत्र के साथ उत्पन्न कर लिया जाए, तो वो हर कुछ संभव हो सकेगा जो आज हमें असम्भव लगता है। जैसे आपने मिश्र की पिरामिडों के बारे में सुना होगा, देखा होगा

## मारपीट में युवक घायल



बरही थाना अंतर्गत करसो लोगों ने उसके साथ मारपीट कर निवासी राणा राणा उम्र 16 वर्ष दिया जिसमें वह घायल हो गया। पिता रवींद्र राणा मारपीट में वर्ही पीड़ित युवक को बरही घायल हो गए। प्राप्त जानकारी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती के अनुसार राणा राणा बांस कराया गया। जहां उनका काटने गया था उसी दौरान कुछ प्राथमिक उपचार किया गया।

## रूपेश पांडेय के पीड़ित माता पिता को मुख्यमंत्री ने सौंपा पाँच लाख का मुआवजा एवं नोकरी के लिए नियुक्ति प्र

अपेम लाइव : बरही  
सोनू पंडित

बरही प्रखंड के नईटांड निवासी दिवंगत रूपेश पांडेय के पीड़ित परिवार को दुःख दर्द बाट कर कभी न मिटाने वाले जर्म मरहम लगाने का प्रयास किया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरने गुरुवार को रूपेश पांडेय के माता-पिता सहित अव्य परिजनों से रांची में मुलाकात किया। जहां रूपेश की माँ को पांच लाख का चेक एवं नोकरी परिवासन का काग जात सौंपा। जानकारी के अनुसार रूपेश के माँ को अचल कार्यालय में चुरुतवर्गीय कर्मचारी के रूप में हुई है। बता दे कि पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने को लेकर बरही विधायक उमाशंकर अकेला लगातार प्रयासरत थे, विधायक उमाशंकर अकेला के लिए वर्त्त में एक बार सूबे के तीन तीन सदस्य एवं अन्य विधायक स्व रूपेश पांडेय के घर तक भी पहुंचे गुरुवार को पुनः उमाशंकर अकेले उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक विशालकाय पत्थर है जिसे इतनी बारीकी से काटा गया है जैसे किसी लेजर से काटा होता है, जबकि उस समय में आज के जैसे बड़ी-बड़ी मशीनें उस वक्त में नहीं थीं। तो ये कैसे संभव हुआ होगा? ऐसा माना जाता है जाता है की कोई यंत्र होगा जिसके स्पंदन और फ्रीक्वेंसी को परथरों के रेसोनेंट फ्रीक्वेंसी से त्वरून करके पत्थरों को काटते हैं और उसे उठाने का काम किया जाता था। सउदी अरब में एक व



# अपेक्षा लाइव न्यूज़

बरही से प्रकाशित एवं संचालित डिजीटल न्यूज़पेपर



## RAINBOW SCHOOL BARHI

Shivpur (Gadlahi), Barhi, Hazaribag

Contact Number- 8210966457, 8863095445

20040117202 (A Better Educated Generation, A Better Future For Our Nation)

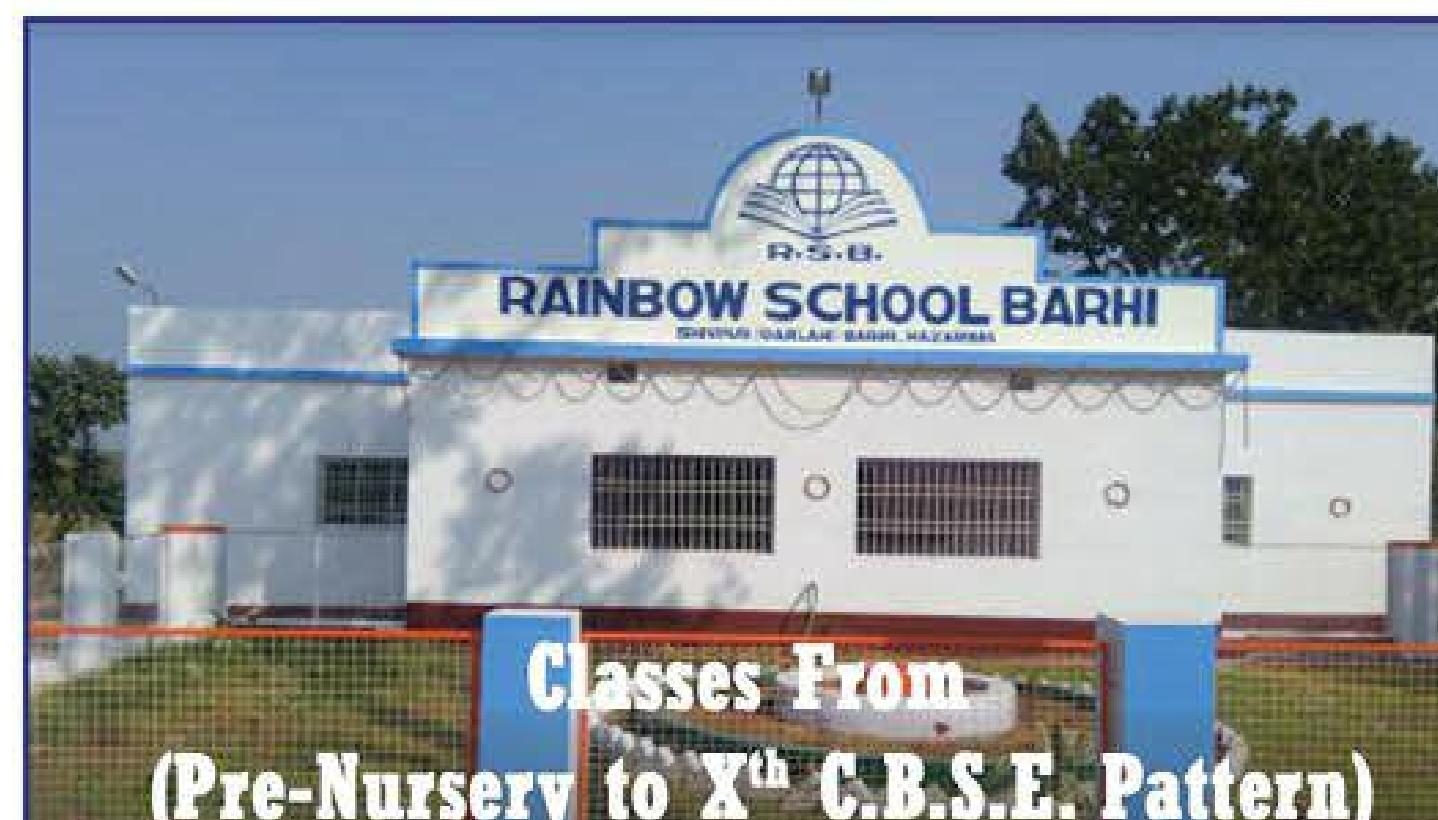
**ADMISSION  
OPEN NOW**



Built a Bright Future for Your Child. Give Your Child Education of Heart &amp; Soul

### SALIENT FEATURES

- C.B.S.E. Pattern based Education (Upto X<sup>th</sup> Class)
- Eco Friendly Environment
- Admission through Entrance Exam
- Highly Experienced & Qualified Teachers and Staff
- Beautifully Aesthetically Designed Campus
- Stress Free & Pollution Free Environment
- Smart Classes, Computer Lab
- Project Based learning Music and Dance room
- Indoor & Outdoor Games and Sports Facilities
- Counselling Programs For Students & Parents
- Preparation & Remedial classes for Extra Support
- Whole Campus under CCTV Surveillance
- Transport Facility available
- School offers scholarship to meritorious students
- R.O. Purified water facility
- Well Stocked Library
- Separate Common room (Toilet) Facilities for Boys & Girls
- Sufficient & Airy Classrooms
- Remedial Classes for Co-Curricular Activities
- Well Organised Programs on 26<sup>th</sup> Jan & 15<sup>th</sup> Aug.
- Celebration of "Saraswati Puja" with great Enthusiasm
- Regular Organised Exams Periodically
- Facilitated with Medical Kit, Sports Goods & P.T. Drum



इस प्रकार की शिक्षा प्रणाली का विकास करना है, जिसके द्वारा ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके जो राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके, उसका जीवन अन्य लोगों को शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसंपन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।

— डायरेक्टर (सिकंदर प्र० कुशवाहा) की कलम से



## CHILDREN PROGRESSIVE SCHOOL

Based on C.B.S.E &amp; J.A.C Both Curriculum

CLASS : Nusery to VIIIth.

For Children's bright future.  
(बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए)

Our facilities:-

- ❖ नवोदय, नेतरहाट एवं सैनिक स्कूल की तैयारी।
- ❖ योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा कक्षा का संचालन।
- ❖ बच्चों को अंग्रेजी भाषा पर विशेष ध्यान।
- ❖ कमज़ोर बच्चों पर अलग से विशेष ध्यान।
- ❖ संगीत, नृत्य एवं खेल कूद की व्यवस्था।
- ❖ व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान।
- ❖ कम्प्यूटर एवं आतायात की सुविधा।
- ❖ गरीब, असहाय एवं कमज़ोर वर्ग के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था।

Note: हमारे यहाँ कक्षा IXth और Xth का अनुभवी शिक्षकों द्वारा विशेष तयारी करवाई जाती है।

नामांकन  
जारी है।

इधर बच्चों की कुछ तस्वीर  
डिजिटीज़ दीज़वेगा  
(स्कूल जाने की अवस्था में)

Smart Classes  
की सुविधा।

AT - PURHARA (BAIRISAL) BARHI, HAZARIBAG (JHARKHAND)  
Mob. 9973278122, 9199197021

वादा नहीं विकास करेंगे... प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी... जन-जन का सम्मान करेंगे...

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

बरही पश्चिमी से पंचायत समिति प्रत्यार्थी पद हेतु कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी

कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रसाद केशी कपिल प्रस

# अपेक्षा लाइव न्यूज़

बरही से प्रकाशित एवं संचालित संध्या डिजीटल न्यूजपेपर

## डिवाइन पब्लिक स्कूल में टीकाकरण हुआ

अपेक्षा लाइव : बरकट्ठा  
सुनिल कुमार



बरकट्ठा प्रछंड अंतर्गत गंगापांचो के द्वारा इस उपलब्धि के लिए टीकाकरण किया गया। विद्यालय निर्देशक ने सभी बच्चों से अपील की है कि आप अपने बजारीकी स्वास्थ्य केंद्र पर भी अपने आधार कार्ड के साथ जाकर टीका करें। अवश्य करवा लें। उन्होंने बच्चों को टीकाकरण के महत्व को बताते हुए को। विड से बचाव हेतु टीकाकरण के साथ-साथ मास्क व सैरे

- पंचायत को आदर्श बनाना है,
- बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना,
- महिलाओं को स्वांवर्लंबी बनाना पहली प्रथमिकता
- पंचायत के लोगों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करना हमारा उद्देश्य।



### आ रही है...

**श्रीमति आमा सिंहा**

भावी मुखिया पद का उम्मीदवार बरही पूर्वी पंचायत



निवेदक  
श्री ऋषाम कुमार सिंहा  
समाज सेवी बरही पूर्वी पंचायत

"हर पल रहेगा एक ही प्रयास"  
पंचायत की तत्कालीन पंचायत का विकास

पंचायत  
बुजाव

## सतगावां में छठ पूजा के मौके पर उमड़े श्रद्धालु, अस्ताचल सूर्य को दिया अर्घ्य

अपेक्षा लाइव : सतगावां  
संजीव कुमार



लोक आस्था का महापर्व चौती छठ पूजा पर गुरुवार को सतगावां में उत्सव जैसा माहौल रहा। मर्योई, उत्तरायण सकरी नदी, मैसरवा घाट, नारायणीह, शिवपुर, माधोपुर, ईश्वर सहित कई जगह परंपरागत ढंग से श्रद्धालुओं ने अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देकर विधिवत पूजन किया। 2 घंटे तक चला धार्मिक आयोजन स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। सेकड़ों की संख्या में लोग नदी, तालाब के किनारे खड़े-खड़े पूजा पाठ का विधान देखते रहे। शुक्रवार की सुबह उगते सूरज को अर्घ्य और पूजन के साथ अनुष्ठान संपन्न होगा। सुबह से ही आयोजन स्थलों पर छठ पूजा घाट में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। फल-मिठाई पूजन सामग्री से भरी डिलिया सिर पर रखकर लोग सपरिवार जल के समीप आए। पहले जल में

स्नान कर सबके धूप दीप के रोशनी और सुगंध से नजर आये। साथ सूर्य की प्रार्थना शुरू कर दी। इस दौरान अस्ताचल की ओर जा रहे भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। यह क्रम सूर्यास्त होने तक चलता रहा। मर्योई में पूर्व से ही यज्ञ के आयोजन के कारण 3 किलोमीटर तक तोरण विद्युत झालरों से सजाया गया। नदी में उतरने के बाद सूर्य स्थानों पर पूजा की वेदी और बैठने का स्थान बनाया गया था। शाम होते ही रंग-बिरंगी

## बरही पश्चिमी भाग- 04

**जिला परिषद् सदस्य पद की सुयोग्य, कर्मठ, समाजसेवी, सभी समुदायों के लोकप्रिय एवं कर्तव्यनिष्ठ उम्मीदवार**



# संगु देवी

एक कदम  
विकास की ओर...

निवेदक: भगवान केशरी  
(समाजसेवी)  
मो०- 9431387525



## शतपंडी महायज्ञ एवं हनुमत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नगर भ्रमण

